

काँटो वाला फल लगता है जो भेड़ों की ऊँ के शरीर तथा अन्य सभी पास से निकलने वालों से चिपट जाता है साथ ही सहज ही नहीं छुटता, काँटे चुभने वाले होते हैं, चिरचिटा दो प्रकार के होते हैं।

**चिरचिरा वि.** (देश.) चिड़चिड़ा।

**चिरचिराहट स्त्री.** (देश.) चिड़चिड़ाहट।

**चिरजीवी वि.** (तत्.) 1. बहुत दिनों तक जीने वाला, दीर्घजीवी 2. अमर पुं. 1. विष्णु 2. कौवा 3. जीवक वृक्ष 4. सेमर का पेड़ 5. मार्कंडेय ऋषि 6. अश्वत्थामा, बलि, व्यास, हनुमान, विभीषण, कृपाचार्य और परशुराम सभी चिरजीवी और अमर माने जाते हैं।

**चिरत पुं.** (तद्.) चरित।

**चिरता अ.क्रि.** (देश.) 1. फटना 2. सीध में काटना 3. लकीर के रूप में घाव होना, सीधा क्षत होना पुं. (तद्.) चीरने का औज़ार, सोनारों का एक औज़ार 3. कुम्हारों का वह धारदार लोहा जिससे वे नरिया चीरते हैं स्त्री. अमरता।

**चिरनिद्रा स्त्री.** (तत्.) मृत्यु, मौत।

**चिरपरिचित वि.** (तत्.) 1. सदा से जान-पहचान वाला 2. पुराना परिचित।

**चिरप्रवृत्त वि.** (तत्.) 1. दीर्घ काल से किसी कार्य में लगा हुआ 2. बहुत दिनों तक टिकने या कार्य में लगा होने वाला।

**चिरबत्ती वि.** (तद्.) चिथड़ा-चिथड़ा, टुकड़ा-टुकड़ा; पुरजा-पुरजा।

**चिरम स्त्री.** (तद्.) 1. गुंजा 2. घुंघुची।

**चिरमिटी स्त्री.** (देश.) दे. चिरम।

**चिरमी स्त्री.** (तत्.) दे. 'चिरम'।

**चिरवन पुं.** (तद्.) बंगाल और उड़ीसा से लेकर मद्रास तथा सिंहल तक होने वाला एक पौधा जिसकी जड़ और छाल से लाल रंग प्राप्त किया जाता है।

**चिरवाई स्त्री.** (देश.) 1. चिरवाने का भाव या कार्य 2. चिरवाने की मजदूरी 3. पानी बरसने पर खेतों को पहले-पहल जोता जाना।

**चिरस्थायी वि.** (तत्.) बहुत दिनों तक रहने वाला।

**चिरस्नेह पुं.** (तत्.) बहुत समय से मिलने वाला प्यार।

**चिरस्मरणीय वि.** (तत्.) 1. बहुत दिनों तक याद रखने योग्य 2. पूजनीय 3. आदरणीय 4. प्रशंसनीय।

**चिरहँटा पुं.** (देश.) 1. बहेलिया, चिड़ीमार 2. व्याध।

**चिरांद पुं.** (देश.) माँस चर्बी आदि किसी वस्तु के भुनने या जलने की गंध मुहा. चिरांद फैलाना-बदनामी करना।

**चिरांदा वि.** (देश.) 1. चिड़चिड़ा 2. छोटी और थोड़ी-सी बात पर बिगड़ने वाला।

**चिराई स्त्री.** (देश.) 1. चीरने का भाव या क्रिया 2. चीरने की मजदूरी।

**चिराग पुं.** (फा.) दीया, दीपक मुहा. 1. चिराग गुल करना- दीया बुझाना; चिराग गुल होना- दीपक बुझ जाना; चिराग बढ़ाना- रोशनी बुझाना; चिराग बत्ती करना- दीया जलाना; चिराग दिखाना- रोशनी दिखाना-या पास लाना; चिराग से चिराग जलना-एक दूसरे से लाभान्वित होना।

**चिरागी स्त्री.** (अर.) 1. चिराग जलाने का खर्च 2. वह भेंट जो किसी मजार पर चढ़ाई जाए 3. किसी स्थान पर दीया बाती करते रहने की मजदूरी।

**चिराटिका स्त्री.** (तत्.) 1. चिरायता 2. सफेद पुनर्नवा।

**चिराद पुं.** (तत्.) बतख की जाति की एक बड़ी चिड़िया।

**चिराना स.क्रि.** (देश.) चीरने का काम कराना, फड़वाना।

**चिरायता पुं.** (तत्.) दो-ढाई हाथ (तीन फीट) ऊँचा एक पौधा जो हिमालय के किनारे के कम ठंडे